हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 4 अगस्त 2025

तापमान
अधिकतम 33 .5 डिग्री
न्यूनतम 23 .0डिग्री

9 कार्यस्थलों पर महिलाओं को दें सुरक्षित माहौल और सम्मानः सीजेएम

10 रक्षाबंधन पर्व को लेकर राखियों से गुलजार हुए बाजार ...

सेक्टर-1 स्थित होलिका पार्क व नेहरू पार्क में लंबे समय से सीवर की समस्या का समाधान नहीं
प्रशासन की अनदेखी के शिकार शहर के पार्क गंदगी के लगे ढेर, सीवर के पानी से हुए लबरेज

■ ब्रास मार्केट के दोनों पार्कों में जमा पानी से दयनीय हालत

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

नगर परिषद की लापरवाही के कारण शहर के पार्कों की दशा बिल्कुल बिगड़ चुकी है। नेहरू पार्क व सेक्टर-1 के होलिका पार्क में लंबे समय से सीवरेज सिस्टम आफत बना हुआ है। सेक्टर का पार्क को सीवर ओवरफ्लो के गंदे पानी से पूरी तरह लबरेज है। सेक्टर-1 में सीवर की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। सप्लाई के पीने के पानी में भी कई बार सीवर का पानी मिलकर सप्लाई हो रहा है। समस्या को लेकर सेक्टरवासी दर्जनों बार प्रशासन को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग कर चुके है, लेकिन प्रशासन की अनदेशी के कारण व्यवस्था चरमरा गई है। पार्कों की दयनीय हालत के कारण लोग पार्कों से किनारा करने लगे है। जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए है यहां तक कि पार्कों में रखे डस्टबिनों के कचरे को भी फैका नहीं जा रहा है। पार्कों की देखरेख नहीं होने के कारण घास भी गायब होकर जमीन दिखने लगी है। पार्कों में लगे झूले व लाखों रुपए की लागत से लगाई गई ओपन जिम मशीनें भी टूट चुकी है। पुराने हाउसिंग बोर्ड के सामने स्थित पार्क में ओपन जिम मशीनें खरपतवार के बीच जंग खा रही है। शहर के राव तुलाराम पार्क, नेहरू पार्क, नेताजी सुभाष पार्क, रेजांगला पार्क व ब्रास मार्केट के वीर सावरकर पार्क व तिकोना सहित सेक्टरों के पार्कों की भी हालत दयनीय बनी हुई है।

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट के तिकोना पार्क में कीचड़ में तब्दील पानी, सीवर के पानी से लबरेज सेक्टर-1 का पार्क, पुराने हाउसिंग बोर्ड के सामने पार्क में ओपन जंग खा रही जिम मशीनें व ऊगी खरपतवार। फोटो :हरिभूमि

इन समस्याओं से जूझ रहे लोग
शहर के सभी पार्कों में प्रतिदिन सुबह व शाम को लोग घूमने के लिए आते है, लेकिन पार्कों की बिगड़ी दशा व व्यवस्था नहीं होने के कारण समय नहीं बिता पाते है। कई पार्कों में पीने के पानी व शौचालय व्यवस्था तक नहीं है। सफाई कर्मचारी की तैनाती नहीं होने से कहीं पत्ते के ढेर है, तो कहीं कचरा फैला है। देखरेख के अभाव में पार्कों की हरियाली खत्म होती जा रही है। पार्कों की घास तक पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

टूटी चारदीवारी से घुस रहे गोवंश
पार्कों की चारदीवारी टूट जाने के कारण गोवंश घुस रहे है। गोवंश पार्क में बैठे लोगों के बीच परेशानी पैदा कर रहे है। पार्कों में सफाई नहीं होने के कारण जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए है। गोवंश कचरे को फैला रहे है। यहां तक कि डस्टबिनों में भी मुंह मार रहे है, जिससे डस्टबिनों का कचरा पार्क में फैल रहा है। ब्रास मार्केट के पार्क की चारदीवारी कई जगह से टूटी हुई है।

पार्क में दो महीने से जमा सीवर का पानी
नगर परिषद की सुस्त कार्यशैली के कारण शहर में सफाई व्यवस्था बेहाल हो गई है। सड़कों के किनारे कचरे के ढेर व नाले गंदगी से सरोबार पड़े है। सफाई नहीं होने से सीवर भी उफान मार रहे है। नगर परिषद व जनस्वास्थ्य विभाग की सुस्त कार्यशैली के कारण सेक्टर-1 का होलिका लंबे समय से सीवर के गंदे पानी से लबरेज है, जिससे उठती दुर्गंध के कारण सेक्टरवासी परेशान है। शहर के सेक्टर-1 स्थित होलिका पार्क यह समस्या बार-बार पैदा हो रही है। प्रशासन की ओर से पार्क में जमा होने वाले सीवर के गंदे पानी की समस्या का कोई ठोस प्रबंध तक नहीं किया जा रहा है। गंदे पानी के जमा होने के कारण पार्क में लगी घास व पौधे भी खत्म हो गए है।

पार्कों के झूले हुए खस्ताहाल
शहर के नेहरू पार्क, राव तुलाराम पार्क, नेताजी सुभाष पार्क, ब्रास मार्केट पार्क सहित सेक्टर-1, सेक्टर-3 व सेक्टर-4 के पार्कों में लगी ओपन जिम मशीनें व झूले पूरी तरह खस्ताहाल स्थित में आ चुके है। नगर परिषद की ओर से पार्कों की व्यवस्था पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पार्कों में न तो कोई सफाईकर्मी नजर आ रहा है और नहीं देखरेख के लिए कोई चौकीदार है। पार्कों के शौचालयों में भी सफाई नहीं की जा रही है।

रेवाड़ी। पुराने हाउसिंग बोर्ड के सामने पार्क में डाला गया कचरा। फोटो :हरिभूमि

खबर संक्षेप

छेड़छाड़ मामले में आरोपी शामिल तफ्तीश
कोसली। पुलिस ने क्षेत्र के एक गांव में छेड़छाड़ व मारपीट करने के मामले में एक आरोपी को तफ्तीश में शामिल किया है। पुलिस ने पीड़ति पक्ष के बयान पर गत 22 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को कोर्ट से अग्रि जमानत मिल गई, जिस कारण पुलिस ने उसे तफ्तीश में शामिल करने के बाद छोड़ दिया। इस मामले में पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

एमटीपी किट मामले में एक और गिरफ्तार
रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एमटीपी किट बेचने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 19 जुलाई को मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले युवक को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया था। उससे पूछताछ के बाद पुलिस ने एक और आरोपी को काबू किया था। अब इस मामले में बिचौलिए की भूमिका निभाने के आरोपी पाली निवासी कृष्ण को गिरफ्तार किया गया है। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

मारपीट केस में एक आरोपी गिरफ्तार
डहीना। पुलिस ने गांव में जून माह में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधीन घायल के बयान पर 10 जून को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में डहीना निवासी रामदत्त को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने आरोपी को बेल पर रिहा कर दिया।

रोजगार मेले का आयोजन आज
रेवाड़ी। जिला रोजगार विभाग की ओर से 4 अगस्त को जिले में रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार अधिकारी बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय में सोमवार को प्रातः 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा, एक हजार पोस्ट के लिए फ्लिपकार्ट पातली, गुरुग्राम कंपनी भाग ले रही है। रोजगार मेले में कम्पनी द्वारा डीईओ, एसोसिएट, असिस्टेंट, सीनियर असिस्टेंट, आरटी ऑपरेटर, पैकिंग, पिकिंग, स्कैनिंग, डाटा एन्ट्री, ट्रॉली मूवमेंट, लोडिंग, अनलोडिंग के लिए एनएपीएस कन्डीडेट दसवीं से स्नातक पास लड़के व लडकियों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे, जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष है।

स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट की कमी दूर करने की मांग
रेवाड़ी। स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट की कमी के चलते अस्पतालों में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कुछ समय पहले सरकार ने फार्मासिस्ट पैड पर आवेदन मांगे थे, लेकिन हाई कोर्ट के आदेशानुसार इनकी भर्तियों को वापस ले लिया गया, क्योंकि आवेदन में यह नियम था कि आवेदनकर्ता के पास 6 माह का प्रशिक्षण अनिवार्य है, परंतु यह संभव नहीं हो सकता है। क्योंकि डी फार्मा व बी फार्मा के कोर्स में 6 महीने का कोई प्रशिक्षण नहीं है। डी फार्मा में भी 3 महीने का ही प्रशिक्षण है। नसो के जिला अध्यक्ष युगल यादव ने कहा कि जब प्रदेश में कोर्स के दौरान व इसके बांड में प्रशिक्षण के लिए लिखित अनिवार्यता थी ही नहीं, तो प्रशिक्षण प्रमाणपत्र कहां से लाएंगे। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव से भर्ती प्रक्रिया के नियम में बदलाव करके प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्टों की कमी को पूरा करने की मांग की है।

अन्य की तलाश में छापेमारी जारी
यौन उत्पीड़न व लूट मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

सीआईए इंचार्ज निरीक्षक सुमेर सिंह की टीम ने सदर थाना क्षेत्र के एक गांव में घर में घुसकर महिलाओं के यौन उत्पीड़न व लूटपाट करने के मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सीआईए की ओर से छापेमारी की जा रही है।

गत 4 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 3 अप्रैल की रात को वह परिवार सहित घर के चौबारे में सोये हुए थे। उसके सास-ससुर किसी काम से घर से बाहर गए हुए थे। जो रात्रि के समय अचानक से कुछ व्यक्ति उनके कमरे घुस आए। सभी के हाथो में पिस्टल व अन्य तेजधार हथियार थे।

आरोपियों ने उन्हें शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी दी और उनके मोबाइल भी छीन लिए। इसके बाद आरोपियों ने घर में मौजूद उसकी ननद व उसका का यौन उत्पीड़न करके, अश्लील वीडियो भी बना ली। आरोपियों ने उनके घर से लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवरात लूट लिए और उनके घर से सीसीटीवी का सैटअप बाक्स भी उखाड़ कर ले गए। आरोपियों ने उनकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी भी दी। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सदर रेवाड़ी में विभिन्न धाराओ के तहत मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त दो आरोपी जिला महेंद्रगढ़ के गांव गागड़वास निवासी संजू व राजस्थान के जिला चूरू के गांव किरतान मीणा की जोड़ी निवासी रामबाबू को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई थी कि दोनों आरोपी फरीदाबाद के एक गांव और राजस्थान के राजगढ़ में भी महिलाओं से दुष्कर्म व लूटपाट की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

रेवाड़ी। गिरफ्तार किए गए आरोपी सीआईए टीम के साथ। फोटो :हरिभूमि

अभी और आरोपियों की तलाश शेष
इस मामले सीआईए ने संलिप्त दो और आरोपी जिला फरीदाबाद के गांव कुरेशीपुर निवासी टीटु व जिला हिसार के गांव नारनौंद नजदीक पुराना बिजली घर निवासी मदन को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद पांच दिन के रिमांड पर लिया है। इस मामले में अभी तीन से चार और आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है। कुल आरोपियों की संख्या पीड़िता ने सात से आठ बताई थी, जिनमें से पुलिस अभी तक चार को ही काबू कर सकी है।

रेटिंग के नाम पर पैसा कमाने का लालच दिया बनाया 8.57 लाख रुपये की ठगी का शिकार

■ साइबर थाना पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

बावल की एक कंपनी में कार्यरत युवक को साइबर ठगों ने होटलों को रेटिंग देकर कमाई के जाल में फंसा लिया। उसे लगभग 8.57 लाख रुपये की साइबर ठगी का शिकार बना दिया गया। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस शिकायत में रविंद्र ने बताया कि उसने टेलीग्राम आईडी पर एक विज्ञापन देखा था, जिसमें ऑनलाइन होटलों को रेटिंग देकर मोटी कमाई का लालच दिया गया था। संबंधित नंबर पर संपर्क करने पर उसे एक गुरप से जोड़ दिया गया। उसे शुरूआत में टास्क देकर 1010 रुपये जमा कराने को कहा गया। उसने यह रकम बताए गए खाते में ट्रांसफर कर दी। इसके बदले उसे 3020 रुपये वापस मिल गए। इससे उसका लालच बढ़ गया। इसके बाद उससे 7100 रुपये जमा कराने के लिए कहा गया। उसने यह रकम भी जमा करा दी, परंतु उसके बदले उसे कुछ नहीं मिला। उसे बताया कि उसकी लिमिट पूरी हो गई है। ज्यादा पैसा जमा कराने के लिए उसे ज्यादा रकम जमा करानी होगी। रविंद्र ने बताया कि वह साइबर ठगों के जाल में फंसता चला गया।

पुलिस लाइन स्थित साइबर पुलिस स्टेशन।

उधार लेकर जमा करा दिए लाखों रुपये
रविंद्र ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने अपने भाई और दोस्तों से पैसे उधार लेकर 13 ट्रांजेक्शन के जरिए 856970 रुपये जमा करा दिए। उसे बताया गया कि उसका लाभ 30 लाख रुपये हो गया है। इसे हासिल करने के लिए उसे 10 लाख रुपये और जमा कराने होंगे। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए, जिनमें उसकी रकम ट्रांसफर हुई है।

निमोठ के बाबा बिशनदास मंदिर में राम दरबार की स्थापना, ग्रामीणों ने निकाली शोभायात्रा
डहीना। गांव निमोठ स्थित बाबा बिशनदास मंदिर परिसर में राम दरबार की प्रतिमाएं स्थापित की गई। स्थापना से पूर्व भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी मूर्तियों के साथ कलश व शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में गांव की 51 महिलाएं शामिल हुई। पंडित नरेश शास्त्री, जीपी बाबा व सहयोगी पंडितों ने तीन दिन मंदिर में मंत्रोचारण के साथ मर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा कराई। कलश एवं शोभायात्रा बाबा बिशनदास मंदिर से शुरू होकर, पंडित रामनिवास शर्मा की चक्की, काठ धर्मशाला, चौगान माता चौक, भगत मोहल्ला, बस स्टैंड, सीनियर सैकेंडरी स्कूल, पंचायत भवन व रामबास रोड के पास से होते हुए मंदिर परिसर में पहुंची। मूर्ति स्थापना के उपरांत मंदिर प्रांगण में प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर गांव के सरपंच रामस्वरूप शर्मा, मंदिर कमेटी के प्रधान रविन्द्र यादव, कमेटी के कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर सत्य नारायण सांभरिया, मास्टर लाल सिंह यादव, रामनिवास शर्मा, आरसी यादव, मांगेराम, शेरसिंह यादव, निर्मल सिंह यादव, मास्टर सुनील यादव, अनिल पूर्व पंच, किरपाल सिंह यादव, महेन्द्र शर्मा, पवन शर्मा, ओमप्रकाश सोनी, मास्टर कंवर सिंह, बिल्लू, अजीत सिंह यादव, हर्ष, साधु सिंह, कृष्ण कुमार, बाबूलाल, परमानंद जांगिड़, जय सिंह शर्मा व प्रकाश जांगिड़ सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उपायुक्त के आदेशों पर नहीं हुआ अमल अवैध कब्जा नहीं हटने से ग्रामीण परेशान

रेवाड़ी। मीरपुर के रास्ता नं. 72 पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाने के आदेश कागजों में धूल फांक रहे हैं। अवैध कब्जा नहीं हटने के कारण आसपास के 20 गांवों के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से कब्जा हटवाने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को इससे राहत मिल सके। ग्रामीणों के अनुसार गांव के प्रभावशाली लोगों ने प्रमुख रास्ते पर अवैध कब्जा किया हुआ है। कब्जा हटवाने के लिए डीसी और एडीसी की ओर से पूर्व में आदेश जारी किए जा चुके हैं। डीसी ने 26 फरवरी 2024 को डीडीपीओ को कब्जा हटवाने के आदेश दिए थे, परंतु यह कब्जा आज तक नहीं हटा है। कब्जा नहीं हटने के कारण आम रास्ता अवरुद्ध पड़ा है। रोडवेज विभाग ने लंबे समय से बस का संचालन रोका हुआ है, मीरपुर के साथ-साथ पास के गांवों जांट, जांटी व गोकलपुर के लिए लिए रोडवेज की बस बंद है। इस रास्ते के अवरुद्ध होने से मरीजों को अस्पताल तक ले जाने में भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रेवाड़ी। अवैध कब्जे के कारण गांव के रास्ते में एकत्रित दूषित पानी।

स्कूली बच्चों को भी हो रही परेशानी
ग्रामीणों ने बताया कि मने रास्ता अवरुद्ध होने से प्राइवेट स्कूलों की बसें भी गांव में नहीं पहुंच पा रही हैं। गांव के बच्चे बाहर प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे हैं। बस नहीं आने के कारण इन बच्चों को गांव के बाहर से बस पकड़नी पड़ती हैं। बच्चों और उनके अभिभावकों को इससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अवैध कब्जों के कारण इस समय दूषित पानी रास्ते में भरा हुआ है, जिससे गांव में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस रास्ते से जल्द कब्जा हटवाने की मांग की है।

एक सप्ताह तक मौसम साफ होने की संभावना नहीं, आज भी आसमान में छाए रहेंगे घने बादल
बूंदाबांदी के बावजूद चढ़ा पारा, उमस भरी गर्मी ने छुड़ाए पसीने

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रेवाड़ी

आसमान में बादलों के बीच बूंदाबांदी होने का सिलसिला लगातार चल रहा है। तापमान में कमी की बजाय वृद्धि हुई है, जिससे एक बार फिर उमस भरी गर्मी आफत बन गई है। बादल बरसने के बाद उमस कम हो जाती है, परंतु मौसम साफ होते ही गर्मी का प्रकोप बढ़ जाता है। लगभग एक सप्ताह तक मौसम साफ होने की संभावना नहीं है। इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जाहिर की जा रही है। अगस्त माह की शुरूआत के साथ ही जिले में औसत 150 एमएम तक बारिश हो चुकी है। दो दिन तक लगातार बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से उमस भरी गर्मी का असर कम हो गया था। अब एक बार फिर गर्मी पसीने छुड़ाने लगी है। रविवार को अधिकतम तापमान 1.0 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 33.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। रात का तापमान भी 2.0 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 23.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों तापमान बढ़ने से गर्मी रात को भी परेशान कर रही है। हवा में नमी का स्तर 80 फीसदी से ज्यादा होने के कारण मौसम चिपचिपा बना हुआ है। नमीयुक्त मौसम के कारण कूलरों की हवा बेअसर साबित हो रही है। एसी में रहने वाले लोगों को राहत मिल जाती है, परंतु कूलरों की हवा भी शरीर को चुभने लगती है। बादलों के चलते सूर्यदेव के दर्शन नहीं हो पा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अभी एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। इस दौरान आसमान में आंशिक या घने बादल छाए रह सकते हैं। तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है। तापमान में भी मामूली उतार-चढ़ाव लगातार बना रहेगा।

रेवाड़ी। एक खेत में पकाव के लिए तैयार हो रही बाजरे की फसल। फोटो :हरिभूमि

मच्छरों का प्रकोप भी कर रहा परेशान
मौसम में बदलाव के कारण मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ने लगा है। खांसी, बुखार और जुकाम के रोगियों की संख्या बढ़ने लगी है। मच्छरों के कारण मलेरिया और डेंगू के केस भी बढ़ने शुरू हो सकते हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार मौसम का लगातार इसी तरह बना रहना फसलों के लिए भी नुकसानदायी साबित हो सकता है। अभी तक कपास और बाजरे की फसल रोगों की चपेट से दूर हैं, परंतु लगातार आसमान में बादल कीटों के पनपने का कारण बन सकते हैं। कपास की फसल पर टिंडे आने शुरू हो गए हैं। बाजरे की अगेती फसल पर सिरटे आ रहे हैं। अगर मौसम जलद साफ नहीं होता है, तो दोनों फसलों को आने वाले दिनों में नुकसान होना भी शुरू हो सकता है।

नीलम ने पहले प्रयास में किया नेट क्लियर
जाटूसाना। खंड के गांव नांगल पठानी निवासी नीलम पत्नी निखिल राव ने अपने पहले ही प्रयास में यूजीसी नेट जून 2025 का पेपर क्लियर किया है। अभ्यर्थी नीलम ने यूजीसी नेट की परीक्षा लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस सब्जेक्ट में क्लियर की है। नीलम ने पहले प्रयास में नेट क्लियर करके अपने गांव और इलाके का नाम रोशन किया है। इन्होंने अपनी स्नातक की शिक्षा मिरांडा हाउस कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी से प्राप्त की है और अपनी कामयाबी का श्रेय अपने परिजनों और रिस्तेदारों को देती है, जिन्होंने कदम कदम पर उनका हौसला बनाए रखा और समय-समय पर प्रोत्साहित करते रहे।

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविंद्रनाथ टैगोर

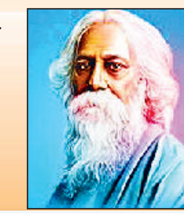

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप-प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे।

कहानी

नवरत्न

आवाज़ें

अब तो शारदा को बिना आवाजों के जीने की आदत हो गई है और साहब को भी अब बिना आवाजों के जीना पड़ेगा.....क्योंकि आवाजें चली गई हैं... सदा सदा के लिए... हालांकि कभी-कभी वह महसूस करता है कि आवाजें जरूरी होती हैं....क्योंकि वह हमारे होने का पता देती हैं.... आवाजें हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाजें भी हैं..... आवाजें हमारी श्रवण शक्ति का प्रमाण ही तो हैं... आवाजें न हों तो हमारे न होने का भ्रम पैदा होता है..... लगता है जैसे हम हैं ही नहीं... लेकिन आवाजें चली गई और अपने साथ कानों को भी लेती गई.... शारदा घर में थी तो जैसे उसकी खुसर-पुसर ... दबे पांव चलने की कलाकारी ... जिंदगी का पता देती थी... लेकिन अब तो तमाम फुसफुसाहटें बीते जमाने की बातें हो गई हैं। शारदा को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती ... जब उसे सिंक में बर्तन साफ करने होते ... हालांकि वह बहुत ध्यान से एक एक बर्तन पर विम लगाती ... फिर पानी की टोंटी का प्रैशर ध्यान से खोलती ... पानी गिरने की आवाज भी कभी-कभी उसे चौंका देती... खासकर तब, जब बर्तन बड़ा होता और साहब घर पर होते... लेकिन वह झट से पानी को और भी कम कर देती क्योंकि साहब को आवाजें पसंद नहीं ...

उसे याद है शादी के बाद एक दो-बार को छोड़कर कभी भी साहब को यह नहीं कहना पड़ा..... शारदा..sss.......अब तो साहब ने कालेज की नौकरी से रिटायरमेंट ले ली है। ज्यादातर घर ही रहते हैं। लिखते-पढ़ते हैं और पेंशन के अलावा अपने लिखने से ही काफी कमा लेते हैं। वे अखबारों में लिखते हैं ... किताबें लिखते हैं... उनके पास दुनियाभर की बातें होती हैं ... लिखने को अकेले घंटों बैठे रहते हैं और हुक्का गुड़गुड़ाते हैं। हुक्का भी उनका छोटा सा ही है..... क्योंकि उन्हें पता है... बड़ा हुक्का ज्यादा आवाज करता है। शारदा की और साहब की उम्र में हालांकि 12 साल का फासला है... लेकिन फिर भी शारदा को अपना चुपज़दा जीने का ढंग सीखने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके लिए वह अपनी दादी मां की बड़ी शुक्रगुजार है। उसे याद है जब वह छोटी थी ...महज 9 साल की ... पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी। बड़ा परिवार था। सब भाई बहन खाना खा रहे थे। खाना खाकर शारदा ने जोर से डकार मारी...तो दादी ने तुरंत उसकी क्लास ले ली थी... ए !! लड़की !! ये क्या बेशर्मी है ? कुछ तो तमीज सीख ले... इतनी बड़ी हो गई है... और किसी बात की लियाकत नहीं है। खबरदार !! जो इतनी जोर से डकार मारी... अगले घर जाएगी... तो नाक कटवाएगी अपने बाबा की। बाबूजी भी सुनकर भीतर आए थे ... उसे याद है ... हालांकि बाबूजी ने तो उस दिन उसी की तरफदारी की थी। उन्होंने कहा था 'अरे ! क्या अम्मा ..छोटी-छोटी बातों पर बच्चों को डांटती हो... हो जाएगी सयानी अम्मा... अभी बच्ची है...। अम्मां को हालांकि दादी का डांटना बुरा लगता था। लेकिन वह कभी बोल कर उनका विरोध नहीं करती थी। बहुत हुआ तो बस किसी बहाने से बच्चे को पकड़ कर अंदर ले जाती थी। घर में... खासकर लड़कियों का ऊंचा बोलना ... खाते वक्त पचर-पचर की आवाज करना... जोर से दरवाजा बंद करना... कुंडी को जोर से खोलना व जोर से हंसना ... बिल्कुल बैन था। उसे याद है जब एक बार सब आंगन में बैठे थे। शाम का वक्त था ... बड़े पलंग पर बच्चे मस्ती कर रहे थे... कि बड़की ने पाद मार दिया और सब बच्चे हंसने लगे, पहले धीरे-धीरे फिर जोर जोर से... छोटू की हंसी तो रुक ही नहीं रही थी.... कि दादी से रहा नहीं गया और वह फट पड़ी... क्या बेशर्मों की तरह दांत निकाल रहे हो..... कुछ तो शर्म करो... बड़े छोटे की ... और छोटू ने कहा था ..'दादी अम्मा !! बड़की ... और... बड़की चुपचाप उठकर अंदर चली गई थी। उस दिन शारदा को एक सबक मिला और फिर वह इस तरह की समस्याओं से निपटना सीख गई। साहब तो शादी भी नहीं करना चाहते थे। उन्हें छब्बीस साल की उम्र में नौकरी मिली और करीब सात साल तक शादी से बचते रहे। हालांकि इस बीच परिवार का दबाव भी आया। लेकिन उन्हें इसकी परवाह नहीं थी। कॉलेज में भी ले देकर एक मित्र था उनका, जिससे उनकी पटती थी। उसने भी बहुत कहा... 'यार ! शादी कर लेता.. तो हम भी तेरी बारात में नाच लेते एक दिन ... बीयर वीयर पीकर। कसम से ... आज तक नाचा नहीं हूं ... यार !! और यह हसरत मेरे साथ ही जाएगी...तो देख! तुझे पाप लगेगा .. देख ले... और साहब हंस कर टाल जाते। फिर एक दिन इतवार को वे अपनी बूढ़ी अम्मा के साथ शारदा को देखने आए। शारदा तब इक्कीस की थी और बी. ए. करके पढ़ाई छोड़ चुकी थी। साहब तैंतीस के हो चुके थे और शारदा उनसे बारह साल छोटी थी.. लेकिन गनीमत यह थी कि साहब तैंतीस के लगते नहीं थे और शारदा का भरा हुआ शरीर उसे किसी भी कीमत पर पच्चीस से नीचे दिखाने को तैयार नहीं था। साहब को भी अब जिंदगी की सच्चाई का पता चलने लगा था। भाई वाई सब अपने -अपने काम धंधे जमा कर अपना अलग आशियाना बसा चुके थे। घर में मां और वे बस दोनों ही रह गए थे। मां की क्षमताएं अब धीरे-धीरे चूक रही रही थी तो उनका मन बना कि चलो अब शादी की जानी चाहिए और वे शारदा को देखने पहुंच गए।

शारदा को याद है कि वे उस दिन भी खूब चुप थे। बहुत धीरे बोल रहे थे, वह भी जरूरी भर। शारदा ने कांच की टेबल पर जिस नजाकत और बिना आवाज के चीनी मिट्टी की केतली और कप प्लेट रखे तो उन्होंने उसी वक्त हां कह दी थी। हालांकि यह बात उन्होंने शादी के कई साल बाद बताई थी और उस दिन यह भी तय हो गया था कि हम किसी इतवार को पांच-सात लोग आएंगे। आपके यहां खाना खाएंगे और शारदा को लिवा ले जाएंगे। बाबूजी की उन्होंने बस दो बातें मान ली थी कि .. एक... इतवार को मुहूर्त नहीं है, अतः आप गुरुवार को आएं...और दूसरी ... हमारी अम्मा जी चाहती हैं कि वरमाला के साथ फेरे जरूर हों और यह दोनों बातें साहब ने मान ली थी। बाकी तो बाबूजी, अम्मा जी और शारदा भी किसी प्रकार के ढोल ढप्पर और बड़े तामझाम के पक्ष में नहीं थे। शारदा जब आई तो उसने देखा कि उसका खूब सारी जगह में खूब सारे दरख़्तों के बीच तीन कमरों का अस्त-व्यस्त मकान है। उसके सभी कमरे लाइब्रेरीनुमा हो गए हैं। अम्मा जी के कमरे में भी किताबें हैं। साहब का कमरा तो है ही किताबों का समंदर। बाहर बरामदे में भी यत्र-तत्र पुराने अखबारात, तरह-तरह के रसाले, चिट्ठियां, पत्रिकाएं भरी पड़ी हैं। पीछे खूब बड़ा सा गुसलखाना है लेकिन लकड़ी का एक पुराना रैक वहां भी है और उस पर भी नए-पुराने अखबार, पत्र -पत्रिकाएं पड़ी हैं। दो बड़े कमरों के बीच रसोई है तथा दोनों कमरों व रसोई से बाहर निकलो तो बरामदे में एक बड़ा दरवाजा आने-जाने के लिए है। यानी बरामदे के दरवाजे को बंद कर दो तो फिर कमरा और रसोई को बंद करने की कोई जरूरत नहीं रहती। शारदा को करीब एक सप्ताह लगा... कि उसने घर को एक करीना दिया। अब सब कुछ यहां व्यवस्थित था। शारदा को शुरू में बहुत ताज्जुब होता कि यहां आवाजें बहुत कम सुनाई देती हैं। साहब और अम्मा जी बाहर पेड़ों के नीचे घंटों बैठे रहते लेकिन बिल्कुल चुपचाप .... कभी कुछ उनमें बातचीत भी होती तो बिल्कुल धीरे-धीरे फुसफुसाते हुए। कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब कुछ लिख रहे हैं या पढ़ रहे हैं और अम्मा जी चुपचाप बैठी हैं और उन्हें देखती रहती हैं या कि कभी-कभी ऐसा भी होता कि साहब हुक्का गुड़गुड़ा रहे हैं और चुपचाप बैठे हैं। एक निश्चित समय पर शारदा चाय बना लाती। तीनों चुपचाप बैठकर चाय पीते। अब तो शारदा साहब के देखने भर से समझ जाती हैं कि उन्हें क्या चाहिए या की चाय कैसी बनी है। साहब की पसंदगी-नापसंदगी सब पता है शारदा को। यहां तक कि साहब के साथ बिस्तर पर भी... हालांकि शुरू-शुरू में उसकी सांसें खूब तेज हो जाती थी। अंतरंग क्षणों में और चरम पर पहुंचकर वह खूब जोर से चीखना चाहती.... फिर एक बार साहब ने उन्हें फुसफुसाते हुए ..कहा था कि सांसों को व्यवस्थित रखने से समय बढ़ता है और आंखें बंद कर इस आनंद को पी जाने से चरम सुख कई गुना हो जाता है। सुनकर वह चौक गई थी और बीच रास्ते से ही वापस लौट आई थी। अब तो खैर बच्चे हो गए हैं और बच्चे भी चुपचाप ही हुए शारदा को .... निक्की के समय तो उसे समझ ही नहीं आया काफी समय कि यह सब कैसे होगा.... डॉक्टर को ताज्जुब हो रहा था कि यह कैसे चुपचाप आंखें बंद किए लेटी है। ऐसे समय में बहुत सी औरतें तो पूरा बखेड़ा खड़ा कर देती हैं। आसमान सिर पर उठा लेती हैं। हालांकि डिलीवरी घर पर ही हुई दोनों ... लेडी डॉक्टर घर पर ही आ गई थी। असल में शारदा को टेक्निक थोड़ी लेट समझ आई। डॉक्टर बार-बार कह रही थी कि जोर लगाओ... को-ऑपरेट योरसेल्फ ... लेकिन शारदा कंफ्यूज की ... जोर कहां लगाना है ... उसे नहीं पता कि को-ऑपरेट किसको करूं? सेल्फ मतलब कौन ? वो तो भला हो उस नर्स का जो डॉक्टर के साथ आई थी उसकी हेल्प करने को ... जब डॉक्टर थोड़ी देर के लिए वॉशरूम गई तो नर्स ने उसे फुसफुसाते हुए एक सूत्र बताया कि.. बीबी जी जब टॉयलेट जाते हैं तो कैसे जोर लगाते हैं.. पता है ना? तो बस! वैसे ही जोर लगाओ... और कमाल की टेक्निक उसके हाथ लगी ... अगली पांच-सात मिनट के बाद निक्की उसके पास सो रही थी। असल में फुसफुसाकर कही गई बातें शायद शारदा को जल्दी समझ में आती हैं। और फिर प्रसव पीड़ा का इजहार तो वह इसलिए भी नहीं करना चाहती थी कि उसे पता था ... साहब बाहर शहतूत के नीचे चुपचाप बैठे हैं और उन्हें बुरा लगेगा। कुक्कू के वक्त तो बिल्कुल भी समय नहीं लगा। उसे डॉक्टर की बात याद थी कि को-ऑपरेट योरसेल्फ ...और कुक्कू बड़े आराम से आ गया.. डॉक्टर के पहुंचने से पहले ही ... चुपचाप ... बिना आवाज ...मां बनने के बाद तो शारदा और भी कुछ आवाजों की अभ्यस्त हो गई है। वह इन आवाजों में कुछ बेआवाज तलाश रही है। वह जो चुपचाप चला आता है... वात्सल्य ... और दोनों स्तनों से बहता हुआ... वह जीवन द्रव्य कभी आवाज नहीं करता। रात को कुक्कू कुनमुनाता है तो न जाने कब चुपचाप यह जीवन- रस-स्त्रोत उसके छोटे-छोटे होठों के बीच पहुंच जाता है ...और साहब बिलकुल बेखबर सोते रहते हैं।

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं। शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है। जैसे कि कभी कुक्कू खेलता-खेलता गिर जाता है। हालांकि वह आवाज नहीं करता लेकिन शारदा के दिल पर दस्तक होती है या कि वह कभी भूखा होता है और शारदा काम में व्यस्त ... तो उसकी आत्मा पर अचानक थपकी पड़ती है और वह फौरन समझ जाती है। **- क्रमशः**

मां बनने के बाद ही तो पता चला शारदा को... कि जीवन आवाजों का एक जंगल है और इस आवाजों के जंगल में कुछ है जो बेआवाज है और इस बेआवाज को सुना जा सकता है। लेकिन शर्त यह है कि पहले आवाजों के गहरे जंगल से गुजर कर... आवाज हैं तो हम हैं या कि हम हैं तो आवाज हैं ...आवाजें कई बार दस्तकें लेकर आती हैं जो सीधी हमारे दिलों तक पहुंचती हैं। शारदा को मां बनने के बाद ही तो पता चला कि कुछ आवाजें दरवाजों को सार्थकता प्रदान करती हैं और दरवाजों पर हुई दस्तकें ही दिलों के कपाट खोलती हैं और ममता की, प्रेम की, वात्सल्य की अपनी एक आवाज होती है जो सुनाई नहीं देती लेकिन फिर भी वह सीधा दिल के दरवाजे को थपथपाती है।

कविता | पं. कमल कांत भारद्वाज

सावन रस

सावन आया, सावन आया
देखो बादल और वर्षा लाया

डाल-डाल पर झूले डले हैं
चारों और फूल खिलें हैं

कोयल मोर पपीहा बोले
आओ सब मिल मल्हार बोलें

कान्हा से राधा बोलीं
बजाओ कान्हा तुम मुरली

इस वर्षा में सब भीगे रहें हैं
अपने मन को सब सींच रहे हैं

धरती यौवन से झूल रही है निर्जन
आँखों को आशाएं घेर रही हैं

कलियों पर आया उभार है
भँवरों पर चढ़ा मादकता का ख़ुमार है

सावन आया सावन आया
मनोरम मनभावित दृश्य है बनाया

कविता | डॉ.कंचन मखीजा

मैं क्या हूँ

मैं अन्न का एक अंश हूँ-
जैसा दोगे भोजन,वैसा शरीर बन जाऊँ।
शुद्ध सात्विक अन्न मिले तो बनूँ ऊर्जा-
दूषित मिले आहार तो रोग विकृत बन जाऊँ।।

मैं विचारों की गूंज हूँ-
शब्दों के स्पंदन से मन की ध्वनि सुनाऊँ।
जीवन दिशा को तय करने वाला-
सूरज मैं बन जाऊँ।।

मैं व्यवहार की छाया हूँ-
कर्म कृति में आकर कर जाऊँ।
पीछे जो छूटा वो बंधन हूँ -
रक्त हृदय में बन जाऊँ।।

अन्न को समझों, मन को साधो,
चाल-ढाल से जीवन को मांझों।
आहार, विचार, व्यवहार में सच की-
दिव्य दृष्टि से खुद को आँको।।

अभी समय है, संभलो तुम,
भाव भक्ति के भर लो तुम।
आत्म ज्योति प्रदीप्त करो और-
जग में ओज बिखेरो तुम।।

विलय करो सब न्यून अहम्।
योगः कर्मसु कौशलम्।।

कविता | सुमन जाजू

सैनिक भाई को पत्र

भैया, ये राखी भेज रही हूँ,
तेरे नाम का तिलक सहेज रही हूँ।
सीमा पर जो तू डटा खड़ा है,
वो मेरा गर्व, मेरा गहना बड़ा है।

तेरी बहन आज नहीं रोएगी,
तेरे साहस पर बस नाज़ ही बोलेगी।
हर साल जब तू दूर रहा,
मैंने राखी को और मजबूत कहा।

भैया, तू सिर्फ मेरा नहीं,
ये भारत माँ का वीर सपूत सही।
तेरी वर्दी में जो तेज है झलकता,
हर बहन का आशीष तुझमें दमकता।

तेरी हर गोली में विश्वास है,
तेरे कदमों में पूरा आकाश है।
जहाँ तू है, वहाँ डर की जगह नहीं,
तेरे जैसा भाई, हर बहन को कहीं नहीं।

आज मैं बाँध रही हूँ शब्दों की डोरी,
जिसमें प्रेम भी है, शक्ति की बोरी।
तू जिए सौ साल, वीरता के संग,
तेरे नाम का गाए ये भारत हर रंग।

राखी का ये धागा, तुझ तक उड़ चला,
देशभक्ति में रंगा, मेरा अभिमान चला।
सैनिक भाई, तू लौट के जल्दी आना,
तेरी बहन ने फिर गुलाब जामुन है बनाना।

कविता | डॉ.कमलेश मलिक

सावन की बहार

बहें झोंके पवन के
जब बहारें झूम सी उठतीं
कहीं पीड़ा जगा देता
बरस जाता कहीं बादल
धरा का उर धड़क उठता
लहराता कहीं आंचल

दहकता है कहीं जियरा
हिलोरें हूक सी भरतीं
खुलते पंख मयूरों के
चातक रटता पिहू पिहू
छप्पर से मोती टपके
कोयल गाती कुहू कुहू

छमाछम नाचती बूंदें
सुरीली बांसुरी बजतीं
अंबर से उतरीं भू पर
नदी बनकर बही जातीं
समंदर को वरण करने
उलझतीं और टकरातीं

निज अस्तित्व खो देतीं
उसी में डूब सी जातीं
कहीं बहती है पुरवाई
कहीं बरपा कहर भारी
कहीं तो चांदनी बिखरे
कहीं घिरती है अंधियारी
प्रकृति का यही नर्तन
लताएं झूल सी उठतीं

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वशिष्ठ का आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कहना है कि साहित्य कभी मर नहीं सकता और बदलते परिवेश में सोशल मीडिया और टीवी ने पुस्तकों से ध्यान हटाया है, लेकिन इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आज भी साहित्य खूब पढ़ा जा रहा है और पाठक प्रतिक्रिया भी खूब दे रहे हैं। उनकी नजर में लेखक जन्मजात होते हैं, उन्हें जबरन इजाद नहीं किया जा सकता।

साक्षात्कार | ओ.पी. पाल

यथार्थ को कथ्य में समाहित करना आवश्यक : डॉ. सुरेश वशिष्ठ

साहित्य के क्षेत्र में हरियाणा के लेखकों ने विभिन्न विधाओं में साहित्य संवर्धन करके समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार डॉ. सुरेश वशिष्ठ अपनी लेखनी के जरिए साहित्यिक और सांस्कृतिक साधना करने में जुटे हैं। उन्होंने एक रंगकर्मी, नाटककार, कथाकार और उन्यासकार के अलावा रंगकर्मी के रूप में सामाजिक सरोकारों के मुद्दों को उजागर करते हुए संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं और अतीत से रूबरू कराने का प्रयास किया है। डॉ. सुरेश वशिष्ठ ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को भी उजागर किया है, जिसमें कोई भी लेखक और कलाकार यथार्थ की हकीकत को कथ्य में समाहित करके अपनी संस्कृति से विमुख होती युवा पीढ़ी को प्रेरित कर सकता है।

वरिष्ठ साहित्यकार एवं लेखक डा. सुरेश वशिष्ठ का जन्म 14 मार्च 1956 को दिल्ली के बरवाला गांव में पं. रघुवीर सिंह शर्मा व इन्द्रावती के घर में हुआ। वशिष्ठ के पूर्वज ठाकुरद्वारे की पूजा-अर्चना में पुजारी रहे और वाचन भी करते थे। उनके पिताजी दिल्ली के शिक्षा विभाग में शिक्षक, मुख्य शिक्षक और सहायक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे। वहीं धार्मिक पुस्तकों का लेखन भी करते रहे। परिवार के ऐसे परिवेश में उनका प्रेरित होना स्वाभाविक था, जिसके चलते उन्हें लिखने की प्रेरणा मिलती रही है। बकौल सुरेश वशिष्ठ, उनकी प्रारम्भिक शिक्षा गांव बरवाला में ही हुई। जबकि उच्च शिक्षा दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय से पूरी की। बाद में उन्होंने जामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली से 'हिन्दी नाटक और रंगमंचः बर्टोल्ट ब्रेख्त का प्रभाव' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि हासिल की। उन्होंने दिल्ली सरकार के अधीनस्थ विद्यालयों में प्रवक्ता (हिन्दी) के पद पर अनेक वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद साल 2006 में द्वारा उनकी प्रधानाचार्य पर नियुक्ति हुई और इसी पद से वे 31 मार्च 2018 को सेवानिवृत्त हुए। साहित्यिक अभिरुचि के चलते उन्होंने शुरू में व्रत कथाओं को लिखना शुरु किया। जब वे नौवीं कक्षा में थे, तो हरियाणा के सोनीपत के एक गाँव में उनके मामा उनके पिताजी को हरियाणा के किसी गाँव में हुई घटना सुना रहे थे, तो उन्होंने भी उसे सुना और अगले दिन उसे अपनी कलम से लिख डाला। इस पर उनके एक सहपाठी ने शिक्षक से उसके नोवल लिखने की शिकायत की। इस पर शिक्षक ने आँखें तरेरी और जो लिखा था, उसे दिखाने को कहा। उनके मन में था कि उसे डाँट पड़ेगी, लेकिन शिक्षक ने जब उनकी लिखी कहानी को पढ़ा और पूछा कि यह सब लिखने का विचार कैसे आया, बताने पर मुझे शाबाशी मिली और वह उनकी पहली कहानी थी। लेखन और साहित्यिक सफर में परेशानी को लेकर डा. वशिष्ठ का कहना है कि लिखना दिलचस्प भी है और दुखदाई भी। लेकिन यथार्थ में जो हो रहा है, उसे लेखन का विषय बनाया जाना चाहिए। उसके बाद उन्हें कथा-कहानी और शेरो-शायरी और फिर अभिनय का शौक चर्राया। कक्षा नौ में स्कूल के एक उत्सव में 'श्रवण कुमार' नामक नाटक में पहली बार अभिनय किया। फिर उन्होंने कॉलेज में अभिनय के साथ नाट्य लेखन की शुरुआत की और उनका पहला और प्रसिद्ध नाटक 'पर्दा उठने दो!' इतना प्रसिद्ध हुआ कि उन दिनों उसके पूरे भारत में पाँच हजार से ज्यादा शो हुए। हरियाणवी उनकी मात्रभाषा है लेकिन वह अपना लेखन हिन्दी में ही करते हैं। उनकी कहानियां, लघुकथाएं, हिंदी के लोकनाट्य और कला रंग और लोक (आलोचना) जैसे आलेख और साक्षात्कार देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। डा. सुरेश वशिष्ठ के साहित्य पर पीएचडी और एमफिल की उपाधि के लिए शोधकार्य भी हुए। उनके लेखन के फोकस में यथार्थ को दिखाना रहा है, क्योंकि रचनाकार की नजर यथार्थ पर जरूर रहनी चाहिए। डा. सुरेश वशिष्ठ कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था 'संस्कार भारती' में पिछले पच्चीस वर्षों से हरियाणा में, प्रांत उपाध्यक्ष, प्रांत नाट्य प्रमुख, प्रांत साहित्य प्रमुख जैसे विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे हैं। वहीं वे तीन वर्ष तक केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार) में सदस्य रहे। इसके अलावा कला, रंग-कर्म और लेखन से संबंधित अनेक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

वरिष्ठ साहित्यकार डा. सुरेश वरिष्ठ ने करीब तीन दर्जन नाटक, करीब पाँच सौ कहानियाँ, दो दर्जन बाल पुस्तकें और पाँच उपन्यास लिखे हैं। उनके कहानी संग्रहों में प्रमुख रूप से खुरदरी जमीन, चली पिया के देश, सिपाही की रस्म, घेरती दीवारें, बहती धारा, लोकताल, श्रंगारण, नीर बहे, ताल मधुरम, झीनी-झीनी रोशनी (भाग-एक), छलकते कलश (भाग-दो), भुला नहीं सका हूँ कहानियाँ, रक्तचरित्र कहानियाँ, अधूरी दास्तान कहानियाँ, सफर कभी रुका नहीं कहानियाँ, निर्झर नीर (खंड-पांच) कहानियां, आदि शामिल हैं।

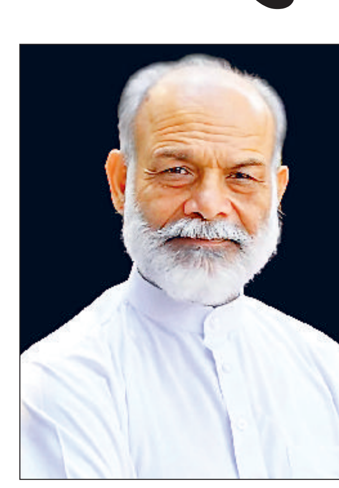

डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पुरस्कार व सम्मान

डा. सुरेश वशिष्ठ को हिन्दी साहित्यकार गौरव सम्मान, साहित्यकार सम्मान, साहित्य आराधना सम्मान, साहित्य रत्न सम्मान, सारस्वत सम्मान, साहित्य सृजन से राष्ट्र अर्चन,प्रस्तुत आलेख सम्मान, सामाजिक गौरव पुरूस्कार, विमल शुभ स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, शब्द शक्ति सम्मान, प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व-शान्ति सम्मान, डा.राधाकृष्णन सहस्त्राब्दि राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान, शिक्षक गौरव सम्मान, गौरक्षक एवं कला सम्मान आदि पुरस्कार एवं सम्मानों से अलंकृत किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : डॉ. सुरेश वशिष्ठ
जन्मतिथि : 14 मार्च 1956
जन्म स्थान : बरवाला गाँव, दिल्ली
वर्तमान निवास : गुरुग्राम, हरियाणा
शिक्षा : एम.ए (हिन्दी) बी.एड. पी-एच.डी.
संप्रति : साहित्यकार, रंगकर्मी, कथाकार, नाटककार, उपन्यासकार सेवानिवृत्त प्राचार्य

जीवन तक दर्शन समझाती 'जीवन के अंधेरे उजाले'

पुस्तक : जीवन के अंधेरे उजाले
लेखक : डॉ. हरीशचंद्र झंडई
मूल्य : 250 रुपये
प्रकाशक : बोधि प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा | शशि कांत चौहान

डॉ. हरीशचंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'जीवन के अँधेरे उजाले' इंसान के जीवन की विविधताओं को दर्शाता है। जैसे जीवन में खुशियां और गम आते हैं। जैसा कि स्वयं कवि स्वयं लिखते है कि हमारे जीवन में कई भावनाएं रहती है, जिनसे हमारा जीवन प्रभावित होता है। यही जीवन का दर्शन है। इसी दर्शन से पाठक को रूबरू करवाती है पुस्तक 'जीवन के अँधेरे उजाले'। संग्रह में कुछ 82 कविताएं संकलित की गई है। इन कविताओं में इंसानी रिश्तों, पारिवारिक परिवेश, सामाजिक परिदृश्य देश हित, देशभक्ति और मातृशक्ति के प्रति चिंतन के साथ-साथ त्योहारों की सुंदरता का वर्णन भी देखने को मिलता है। 'कुछ अंधेरे कुछ उजाले' में कवि ने यह समझाने का प्रयास किया है कि इंसान की अपनी कभी नकारात्मक सोच के कारण कैसे जिंदगी प्रभावित होती है और यदि व्यक्ति धैर्य रखे तो समय बदलेगा और एक नई जिंदगी की शुरुआत होगी। संग्रह की पहली कविता बेटे की पुकार के माध्यम से एक परिवार के ऐसे बेटे का दर्द उभारा है जो बहन के प्यार के लिए तरसता है। ऐसे में इस कविता से कवि ने संदेश दिया है कि हमें आपकी बेटियों की रक्षा करनी चाहिए और भ्रूणहत्याa जैसे कलंक को समाज से मिटाने की दिशा में काम करना चाहिए। 'दिखती है कभी-कभी महिला शक्ति' में कवि ने समझाया है कि किस तरह से दमन के बावजूद महिलाएं अपने हौसले के दम पर ऊंचाइयों को छूती हैं और अपनी प्रतिभा साबित करती हैं। तब समाज का विस्मित कर देती हैं। 'प्रकृति की छाँव' के माध्यम से ч२ी सूरज की गर्मी और पक्षियों की चहचहाहट का जिक्र करते हुए कवि पे यह समझाने का प्रयास किय है कि इंसान के जीवन में कितनी भी कठिनाइयों आएं, लेकिन उन कठिनाइयोंत को अंत होना भी निश्चित है। जल ही शक्ति है कविता में डॉ. झंडई ने पानी का महत्व बताने का प्रयास किया है कि यह जीवन के लिए कितना आवश्यक है कि इसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। इस रचना के जरिए कवि ने जल संरक्षण का संदेश दिया है। 'आओ हाथ बढ़ाएं' के माध्यम से कवि ने सभी का आह्वान किया है कि आज की बदलती दुनिया में हमें भी समय के साथ बदलना है। आइए हम दूसरों का मार्गदर्शन करें और दूसरों की तरफ हाथ बढ़ाएं। हरीशचंद्र झंडई के प्रस्तुत संग्रह की भाषा सहल, सरल एवं सीधी-सादी है। संग्रह की रचनाएं अपना संदेश पाठकों तक पहुंचाने में सफल नजर आती हैं। कवि इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। कर्मपाल को भाजपा का पटका पहनाते भागीरथ।

कर्मपाल कन्होरा ने भाजपा ज्वाइन की

पाल्हावास। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास परिषद, नई दिल्ली के प्रदेश सचिव कर्मपाल कन्होरो ने बीजेपी का दामन थाम लिया। गांव कन्होरा निवासी कर्मपाल को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी भागीरथ ने पार्टी ज्वाइन कराई है। कर्मपाल कन्होरा ने बताया कि उन्होंने राजनीतिक जीवन के 10 साल कांग्रेस पार्टी को दिए। भाजपा की विचारधारा एव कार्यशैली से प्रभावित होकर उन्होंने भाजपा ज्वाइन की है। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का आभार जताया।

रेवाड़ी। एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में मौजूद पूर्व अर्ध सैनिक।

वीरभान बड़गुर्जर बने एसो. के जिलाध्यक्ष

कोसली। जिलाध्यक्ष के चुनाव के लिए रविवार को एक्स पैरामिलिट्री फोर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक कोसली रेलवे स्टेशन स्थित लाला रामरत्न धर्मशाला में हुई। बैठक में जिला प्रधान देवराज यादव के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। उसके उपरांत विचार विमर्श करके पूर्व तके जिलाध्यक्ष रह चुके वीरभान बड़गुर्जर को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष चुना गया। रामचन्द्र दहिया सुधराना को सचिव व रतन सिंह कोसली को नाहड़ ब्लॉक इकाई का अध्यक्ष चुना गया।

डीएलएसए की ओर से पीओएसएच अधिनियम पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यस्थलों पर महिलाओं को सुरक्षित माहौल जरूर दें सभी को कानून की जानकारी होना जरूरी : सीजेएम

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम की विधिक जानकारी प्रदान करना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यशाला में जानकारी देते हुए सीजेएम अमित वर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण पंचकूला के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से रविवार को एडीआर सेंटर में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम पर कार्यशाला-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी व सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण अमित वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस मौके पर

- **किशोर न्याय अधिनियम एवं मध्यस्था के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मामलों का निपटारा**

सीजेएम अमित वर्मा ने कहा कि पीओएसएच अधिनियम पर जागरूकता और प्रशिक्षण के माध्यम से हम कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बना सकते हैं। यह केवल कानूनी जानकारी नहीं देता, बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता को भी सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम की विधिक जानकारी प्रदान करना, कार्यस्थलों को महिलाओं के लिए अधिक सुरक्षित एवं गरिमामय बनाना तथा यौन उत्पीड़न के मामलों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना था।

संस्थानों में आईसीसी का गठन अनिवार्य

वक्ताओं ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के तहत यौन उत्पीड़न की परिभाषा, पीड़िता के अधिकार, शिकायत की प्रक्रिया और संस्थागत जिम्मेदारियों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि संस्थानों में आईसीसी का गठन अनिवार्य है और शिकायत प्राप्त होने पर 90 दिनों में निष्कर्ष देना तथा 10 दिनों में रिपोर्ट प्रस्तुत करना भी अनिवार्य होता है। कार्यशाला में संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों के उत्तर विशेषज्ञों से प्राप्त किए। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता मीनाक्षी यादव, अधिवक्ता डिप्टी चीफ हरीश शर्मा, सेवानिवृत्त रीडर सरिता व प्रियंका यादव बतौर वक्ता उपस्थित थी।

कार्यक्रम को दो सत्रों में आयोजित किया गया। प्रथम सत्र में पैनल अधिवक्ताओं, पैरा लीगल वॉलेंटियर्स, लीगल एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ताओं एवं मध्यस्थों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें पीओएसएच अधिनियम की प्रमुख धाराओं के साथ-साथ किशोर न्याय अधिनियम एवं मध्यस्था के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा केसों का निपटारा करने की दिशा में चल रहे अभियान मेडिएशन फॉर नेशन बारे में बताया गया। दूसरे सत्र में जिला न्यायालय एवं डीएलएसए रेवाड़ी के स्टाफ सदस्यों के लिए आयोजित किया गया, जिसमें कार्यस्थलों पर आंतरिक शिकायत समिति की भूमिका, शिकायत की प्रक्रिया, समयसीमा, गोपनीयता, एवं संस्थागत जिम्मेदारियों को विस्तार से बताया गया।

रेवाड़ी। कोसली की लाला राम रतन गर्ग धर्मशाला में शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता। फोटो : हरिभूमि

बिना अनुमति लगाया ब्लड कैंप, डिप्टी सीएमओ ने पुलिस को शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

रेवाड़ी के उप सिविल सर्जन ने कोसली में रक्तदान शिविर के आयोजकों व बहादुरगढ़ के एक ब्लड बैंक के विरुद्ध बिना अनुमति के रक्तदान शिविर आयोजित करने तथा ब्लड एकत्रित करने के आरोप में कोसली थाने में शिकायत दी है। उप सिविल सर्जन डा. दीपक वर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रेवाड़ी ब्लड बैंक के इंचार्ज डा. संदीप यादव ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि कोसली में लाला राम रतन धर्मशाला में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है, लेकिन उनके यहां से कोई अनुमति नहीं ली गई है। सूचना के बाद उन्होंने कोसली के एसएमओ डा. विक्रम को शिविर की जांच कराने के लिए कहा। जांच में आयोजकों द्वारा दिखाया गया बहादुरगढ़ के निजी ब्लड बैंक को जारी अनुमति पत्र फर्जी पाया गया, जोकि सिविल सर्जन रेवाड़ी व ब्लड बैंक रेवाड़ी के कार्यालय से जारी नहीं हुआ था, जिसके बाद वे स्वयं कोसली रक्तदान शिविर में पहुंचे, लेकिन तब तक रक्त एकत्रित करने वाली निजी ब्लड बैंक की टीम 47 यूनिट रक्त एकत्रित कर जा चुकी थी। उप सिविल सर्जन डा. दीपक वर्मा के अनुसार आयोजक रक्तदान शिविर को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके, जिसके बाद उन्होंने कोसली थाने में शिकायत दी। कोसली एसएचओ कश्मीर सिंह ने बताया कि उप सिविल सर्जन की शिकायत प्राप्त हुई है। जांच के बाद मामला दर्ज किया जाएगा।

अस्पताल की मांग को लेकर भाकियू का समर्थन

- ग्रामीणों का धरना रविवार को 48वें दिन में प्रवेश कर गया।
- आंदोलन तेज करने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। धरने पर मौजूद गुरुनाम सिंह चढूनी व ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

रामगढ़ भगवानपुर में सरकारी अस्पताल की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना रविवार को 48वें दिन में प्रवेश कर गया। अस्पताल बनाओ संघर्ष कमेटी रोजाना अलग-अलग गांवों में कैंडल मार्च जन जागरण अभियान के तहत समर्थन भी जुटा रही है। धरने में दजनों गांवों के ग्रामीण शामिल हो रहे है। रविवार को धरना की अध्यक्षता राव लाल सिंह ने की। रविवार को भारतीय किसान यूनियन चढूनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने अपने समर्थकों के साथ धरना स्थन पर पहुंचकर ग्रामीणों को समर्थन दिया। रविवार शाम को कमेटी की ओर से गांव खटावली में कैंडल मार्च निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार ने कहा जब तक उनकी अस्पताल की मांग को माना नहीं जाएगा, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरने पर कॉमरेड फूल सिंह जन संघर्ष मंच हरियाणा, सुभाष चन्द्र एडवोकेट नारनौल ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, गुरनाम सिंह फुर्र जिला प्रधान कैथल, विक्रम कसाना एडवोकेट युवा प्रदेश अध्यक्ष भाकियू चढूनी, अनूप राव डूंगरवाल, जसमेर सिंह ढांडा, भैंसी माजरा कुरूक्षेत्र उपप्रधान भाकियू, अर्जुन नंबरदार सालियर कलां, प्रताप सिंह खंडग्रास, कृष्ण तोबड़ा, विजय यादव सिकोपुर, मुकेश यादव निमोठ, गजराज सिंह सुनारिया,उदय राज नंबरदार मीरपुर, शेर सिंह मीरपुर, सुधीर कुमार एडवोकेट मीरपुर,अनिल सरपंच गोकलपुर,अभय सिंह फिदेडी, मोहर सिंह, इंद्रजीत नंबरदार, कृष्णा देवी भगवानपुर सरपंच, आशा, सुनीता, शांति, मोनिका, विमला, अनीता, निर्मला व रामगिरी सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

एनसीबी की ओर से नशा तस्करों पर की जा रही कठोर कार्रवाई : डॉ. वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोगों को जागरूक करते हुए डॉ. अशोक वर्मा। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की ओर से नशे के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। एचएसएनसीबी के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डा.अशोक कुमार वर्मा ने रविवार को शास्त्री नगर में लोगों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हॉटस्पॉट के रूप में चिन्हित है। नशे से अर्जित किया गया पाप का धन कभी फल फूल नहीं सकता। एनसीबी हरियाणा की ओर से नशा तस्करों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। हरियाणा में नशे का व्यापार बिल्कुल स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनसीबी की ओर से वर्ष 2023 में 3823 अभियोग अंकित कर 5930 अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है, जबकि वर्ष 2024 में 3330 अभियोगों में 5328 नशा तस्करों को जेल की सलाखें दिखाई गई है। इस वर्ष जनवरी से जून तक 1858 अभियोग अंकित करके 3051 अपराधियों को जेल में पहुंचाया गया है।

रेवाड़ी। नगरपालिका संघ के नवनियुक्त पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पूर्ण चंद पिहाल बने नपा कर्मचारी संघ के इकाई प्रधान

रेवाड़ी। नगर पालिका कर्मचारी संघ के चुनाव नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पार्क में कराए गए। इस मौके पर सर्वसम्मति से पूर्णचंद पिहाल को इकाई प्रधान चुना गया। चुनाव के दौरान नगर पालिका संघ के हरियाणा प्रदेश प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, प्रदेश कैशियर महेन्द्र कुमार सेगलियां, सर्व कर्मचारी संघ के प्रधान धनराज व जिला प्रधान ईश्वर सिंह बोड़वाल मौजूद थे। मंच संचालन रतिश बागड़ी ने किया। चुनाव में सिंचाई विभाग के प्रधान पवन यादव व सुमित्रा देवी भी मौजूद थे। चुनाव में सर्वसम्मति से पुर्ण चंद पिहाल को इकाई प्रधान, गौरव बोहत को वरिष्ठ उपप्रधान, शिवा गंगाहेड़ी को उप प्रधान, शशि चांवरिया को सचिव, राजबीर चांवरिया को सह सचिव, राजेश दरोगा बागड़ी को कैशियर, बागड़ी व आनंद गौड़ को सह कैशियर नियुक्त किया गया। मंच संचालक के लिए मामराज, कैलाश, प्यारेलाल, धीरज व नरेश तथा यूनियन सलाहकार त्रिलोक बागड़ी, सुरेन्द्र, सुशीला, ऊषा, नीतू, गीता, बीना, सीमा व माया तथा अनिल को डोर-टू-डोर प्रधान नियुक्त किया गया।

खराब फसल के मुआवजे को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। सरकार के नाम बीडीपीओ को ज्ञापन सौंपते यूनियन के पदाधिकारी।

नई अनाजमंडी में रविवार को भारतीय किसान यूनियन चढूनी की सभा का आयोजन किया गया। सभा में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरुनाम सिंह चढूनी ने शिरकत की। यूनियन ने रेवाड़ी के किसानों को 2025 रबी सीजन में ओलावृष्टि से खराब हुई फसल के लिए मंजूर किए गए 19.92 करोड़ रुपए के मुआवजे नाकाफी बताते हुए रोष जताया। यूनियन की ओर से सभा के दौरान बीडीपीओ धारूहेड़ा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन में किसानों ने खराब फसल के लिए प्रति एकड़ 35 हजार रुपए मुआवजे की मांग की तथा ओलावृष्टि से प्रभावित रकबे को बढ़ाने की भी मांग की।

इस मौके पर यूनियन के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने कहा कि मांग को लेकर 4 अगस्त को जिला कमेटी डीसी से मुलाकात करेगी। अगर 20 दिन के दौरान प्रशासन की ओर से कोई रिस्पांस नहीं दिया गया तो आगामी आंदोलन का ऐलान किया जाएगा। ओलावृष्टि के मुआवजे के साथ-साथ किसानों को खाद समय पर उपलब्ध कराने व बाजरा खरीद की समुचित व्यवस्था के लिए भी मांग की जाएगी। रेवाड़ी में रबी सीजन में ओले और बारिश से खराब हुई सरसों व गेहूं की फसलों का रकबा करीब 22 हजार एकड़ दिखाया गया है, जबकि किसान संगठन इसे 40 हजार एकड़ से अधिक बता रहे हैं। पूरे हरियाणा में 52 करोड़ 14 लाख रुपए का मुआवजा बांटा जा रहा है, जिसमें से रेवाड़ी जिले को सबसे ज्यादा 19.92 करोड़ रुपए दिए गए हैं। जिलें में किसानों को औसतन प्रति एकड़ 9 हजार रुपए मिलेंगे। जिले में रबी 2025 फसल खराबा को लेकर किसानों ने विशेष गिरदावरी की मांग भी की थी। राष्ट्रीय प्रधान गुरुनाम सिंह चढूनी ने 2023 बाजरे भावांतर राशि को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए गांव-गांव जाने के लिए यूनियन कार्यकर्ताओं की ड्यूटी भी लगाई। इस मौके पर जिला प्रधान समय सिंह, राजेंद्र कुमार गेरा, सत्यवान नरवाल, मुन्नी बूढ़पुर, लोकेश बावल, जगदीश गुर्जर, शीशराम, राजकुमार, अनूप यादव, ममता यादव, नीलम, कमलेश, कैलाश, मनफूल चौधरी, कृष्ण सैनी व वेद कुमार सुल्तानिया सहित सैकड़ों की संख्या में किसान मौजूद थे। जिला प्रधान समय सिंह प्रधान सभी का आभार व्यक्त किया।

रेवाड़ी। बैठक करते हुए जनशक्ति जागृति मंच ट्रस्ट के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जनशक्ति जागृति मंच ग्रामीणों को करेगा जागरूक

रेवाड़ी। जनशक्ति जागृति मंच ट्रस्ट की ओर से बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें कई सामाजिक कार्यो पर चर्चा की गई। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष मेनका सोनी ने कहा कि ट्रस्ट की ओर से गांवों में लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा। संस्था की ओर से महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण देकर घर बैठे काम दिया जाएगा ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर होकर अपने घर को चलाने में सक्षम बन सकें। उन्होंने बताया कि संस्था प्रति माह एक गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन करेगी। इसके अलावा जरूरतमंद परिवारों व दिव्यांगों को भी संस्था की ओर से सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था लंबे समय से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में सामाजिक कार्य कर रही है। संस्था की ओर से जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई में सहयोग, ब्लड डोनेशन कैंप लगाना व पौधारोपण सहित ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। बैठक में अनिल खुटेला, देवेंद्र कुमार, प्रकाश वर्मा, कमलेश सोनी, मंजू शर्मा, विजय सिंह, दीपक कुमार, एडवोकेट रविन्द्र मेहरा व ललिता यादव सहित संस्था के सभी सदस्य मौजूद थे।

गांव धारण में अमर शहीद ओमप्रकाश की प्रतिमा का अनावरण

खेल मंत्री ने शहीद के नाम पर खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की

ओमप्रकाश का बलिदान सर्वोच्च, उनकी वीरता और देशभक्ति सभी के लिए प्रेरणाः डॉ. सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांव धारण में शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

रविवार को बावल विधानसभा के गांव धारण में अमर शहीद ओमप्रकाश की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा संसदीय बोर्ड की सदस्य एवं पूर्व सांसद डॉ. सुधा यादव ने समारोह में शिरकत की तथा अध्यक्षता हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने की। समारोह में पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल, प्रीतम चौहान, शहीद परिवार के परिजन व सरपंच राजेश कुमार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति प युवा मौजूद थे। इस मौके पर डा.सुधा यादव ने कहा कि अहीरवाल वीर सपूतों की भूमि है। शहीद ओमप्रकाश का सर्वोच्च बलिदान, उनकी वीरता, निष्ठा और देशभक्ति सभी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। उन्होंने गांव में खेल स्टेडियम का निर्माण कर उसका नाम अमर शहीद ओमप्रकाश के नाम पर रखने की घोषणा भी की। खेल मंत्री गौरव गौतम ने शहीद ओमप्रकाश के नाम पर खेल स्टेडियम की स्वीकृति की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम न केवल क्षेत्र के युवाओं के लिए खेलों की दिशा में अवसर प्रदान करेगा, बल्कि शहीद के अद्वितीय बलिदान की याद भी दिलाता रहेगा। पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश सरकार गांव-गांव तक विकास योजनाएं पहुंचा रही है। मंच संचालन अरुण तंवर धारण ने किया।

श्रद्धांजलि अर्पित की

इस मौके पर धारण की ढाणी सहित पूर्व महामंत्री रामवतार कतोपुरी, ईश्वर चनीजा, शहीद के परिजन, ग्रामीण जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। अतिथियों ने शहीद की प्रतिमा का अनावरण करते हुए राष्ट्र के लिए उनके बलिदान को नमन किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

विभाजन की त्रासदी लाखों लोगों के जीवन में आई वेदना का प्रतीकः हरविंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। बैठक में उपस्थित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आगामी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने की। बैठक में कार्यक्रम के जिला प्रमुख हरविन्द कोहली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, वरिष्ठ कार्यकता एवं पूर्व प्रदेश महामंत्री वीर कुमार यादव, किसान मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रामपाल यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सिंहराम महलावत व रत्नेश बंसल भी मौजूद थे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल ने किया। बैठक में जिला कोर ग्रुप, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्षगण और मंडल महामंत्री भी मौजूद थे। बैठक में 6 अगस्त को जिला संगोष्ठी का आयोजन करने तथा जिला स्तर व मंडल स्तर पर तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर 14 अगस्त को फरीदाबाद में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा भी तैयार की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली शिरकत करेंगे। इस अवसर पर हरविंद कोहली ने कहा कि विभाजन की त्रासदी केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि उस समय लाखों लोगों के जीवन में आई वेदना का प्रतीक है।

रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को धूमधाम से मनाया जायगा

रक्षाबंधन पर्व को लेकर राखियों से गुलजार हुए बाजार, दुकानों पर लग रही महिलाओं की भीड़

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट में दुकान पर सजी राखियां। और दुकान पर राखियां पंसद करती महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

1. बाजार में फैंसी व स्वदेशी राखियों की काफी भरमार, बच्चों को लुभा रही कार्टून करेक्टर्स व खिलौनों वाली राखियां
2. गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष राखियों के दामों में 25 से 30 प्रतिशत तक उछाल आया हुआ है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन को छह दिन शेष बचे है। रक्षाबंधन का पर्व आगामी 9 अगस्त को मनाया जाएगा। बाजार में सजी राखी की दुकानों में महिलाओं की भीड़ नजर आ रही है। बहनों ने अपने भाईयों को राखी बांधने की पूरी तैयारियां कर ली हैं। शहर के मुख्य बाजार मोती चौक, पंजाबी मार्केट, पेठा बाजार, गुड़ बाजार व गोकल बाजार सहित शॉपिंग मॉल्स में राखियों के स्टॉल्स पूरी तरह सज चुके है। बाजार में राखियां खरीदने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंच रही हैं। गत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष राखियों के दामों में 25 से 30 प्रतिशत तक उछाल आया हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले वर्ष से राखियों की कीमत बढ़ गई है। बाजार में 50 रुपये से कम अच्छी राखी नहीं है। महिलाएं अपने भाईयों के लिए खुले मन से राखी खरीद रही हैं। वहीं रक्षाबंधन पर महिलाओं को फ्री यात्रा कराने के लिए रोडवेज ने भी पूरी तैयारी के साथ अपनी कमर कस ली है।

कि

रेवाड़ी। राखी खरीदने के लिए दुकान में लगी महिलाओं की भीड़। फोटो : हरिभूमि

बच्चों को खिलौनों वाली राखियां अधिक पसंद : शहर के बाजारों में सजी दुकानों पर बच्चों के लिए आकर्षक राखियां उपलब्ध हैं। बच्चें कार्टून व खिलौनों वाली राखियां अधिक पसंद करते हैं। राखी विक्रेता यशपाल, अनिल व सुरेश ने बताया कि कार्टून केरेक्टरों से जुड़ी राखियां व म्यूजिकल राखियों की खूब बिक्री हो रही है। पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है बहनें अपने भाईयों की दीर्घायु की कामना करते हुए अपनी रक्षा करने की उम्मीद भाईयों से करती हैं। भाई भी बहनों पर किसी प्रकार की विपत्ति पड़ने पर उनका जहां पूरा साथ देते हैं, वहीं उन्हें हर तरह से सहयोग भी करते हैं। शहर के मिष्ठान भंडारों पर भी हलवाई अलग-अलग तरह की मिठाईयां तैयार करने में जुटे हुए है।

राखियों की कई वैरायिटयां उपलब्ध

बाजार में फैंसी व स्वदेशी राखियों की काफी भरमार है। मोतियों से बनी रेशम की राखियों की खूब बिक्री हो रही है। बाजार में दिल्ली, जयुपर, अहमदाबाद, मुम्बई व अलवर राजस्थान से लाई गई राखियों की कई वैरायटियां उपलब्ध हैं। पंजाबी मार्केट व गोकल बाजार में बच्चों के लिए कार्टूनों व म्यूजिक की राखियां उपलब्ध हैं। इनमें मोटू-पतलू, छोटा भीम, डोरेमोन, लिटिल सिंघम व छुटकी जैसे कई कार्टून कैरेक्टर से जुड़ी राखियों की खूब बिक्री हो रही है। इनकी कीमत भी 50 रुपये से लेकर 350 रुपये तक है।

स्वरोजगार के लिए सूक्ष्म वित योजना एवं टर्म लोन योजना में आवेदन 21 तक

सूक्ष्म वित योजना के तहत अधिकतम एक लाख रुपये तक के ऋण केवल 6.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर दिया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रदेश सरकार की ओर से हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से स्वरोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। निगम की ओर से अनुसूचित जाति के परिवारों को स्वरोजगार के लिए सूक्ष्म वित योजना व टर्म लोन योजना के तहत ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की अंतिम 21 अगस्त है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सूक्ष्म वित योजना के तहत अधिकतम एक लाख रुपये तक के ऋण केवल 6.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर दिया जा रहा है, जिसमें कपड़ा दुकान, चाय की दुकान, किरयाणा व परचून दुकान, मनियारी की दुकान, बिजली कार्य की दुकान, ब्यूटी पार्लर-कास्मेटिक दुकान, कम्प्यूटर दुकान, ऑटो रिपेयरिंग व ई-रिक्शा के लिए स्वरोजगार के तहत ऋण लिया जा सकता है। योजना के तहत ऋण की वसूली 6.5 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से मासिक किस्तों में तीन वर्षों में की जाएगी। डीसी ने बताया कि टर्म लोन योजना के तहत अधिकतम दो लाख रुपए तक के ऋण केवल 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर लिया जा सकता है। ऋण की वसूली 8 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से मासिक किस्तों में पांच वर्षों में की जाएगी।

पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम तीन लाख रुपये से अधिक न हो

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा

योजना के लिए आवेदक अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखता हो व जिले का स्थाई निवासी हो। उसकी आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। पारिवारिक वार्षिक आय अधिकतम तीन लाख रुपये से अधिक न हो। आवेदकों को ऋण में पचास हजार रुपये तक की अनुदान राशि दी जाएगी। आवेदक निगम बैंक का बकायादार न हो, पहले लिए ऋण का दुरुपयोग न किया हो तथा एनएसएफडीसीज स्कीमों के अंतर्गत ऋण प्राप्त न किया हो। ऋण की वसूली मासिक किस्तों में 3 से 5 वर्षों के अंदर की जाएगी। लाभार्थी के ऋण अदायगी में डिफाल्टर होने पर निगम द्वारा सामान्य ब्याज के अतिरिक्त 4 प्रतिशत दंड ब्याज भी वसूल किया जाएगा।

देश में पौराणिक काल से प्रेमपूर्वक मनाया जाता रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार : विवेक

रेवाड़ी। हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विवेक ढींगरा, शिक्षाविद प्रो. सीएल सोनी व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि हमारे देश में पौराणिक काल से रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार प्रेम पूर्वक मनाया जाता है।

भगवान श्रीकृष्ण ने क्रोधित होकर सुदर्शन चक्र को जरासंध का वध करने की आज्ञा दी। चक्र के निकलते समय भगवान श्रीकृष्ण की अंगुली से खून की धारा बह निकली। सभी लोग राजवैद्य को बुलाने के लिए दौड़े, लेकिन द्रोपदी ने तुरंत अपनी साड़ी को फाड़कर कपड़े से भगवान श्रीकृष्ण की अंगुली पर पट्टी बांध दी। भगवान श्रीकृष्ण द्रोपदी को बहन मानते थे। कौरवों के दरबार में दुर्योधन ने जब द्रोपदी की लाज लूटनी चाही तो श्रीकृष्ण ने चीर बढ़ाकर उसकी लाज बचाई। तभी से बहने अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती है और भाई बदले में उसकी रक्षा का प्रण लेते हैं। महिला संयोजक शशि जुनेजा, महिला प्रधान निशा सीकरी व वरिष्ठ भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज ने कहा कि रक्षाबंधन के दिन भाई व परिवार से मिलने जुलने का अवसर बहनों को विशेष रूप से प्रफुल्लित करता है। संस्था की ओर से योग साधिका सरोज आर्य, शिक्षाविद् आशा मखीजा, शिक्षाविद डा. बलबीर अग्रवाल, समाजसेवी अनिल आर्य, प्रफूल्ल श्याम व पर्यावरण सेवी राजेंद्र गेरा को सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को शिव दरबार, भारत माता, बाबा श्याम, शहीद ए आजम भगत सिंह व स्वामी दयानंद के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव, पतंजलि के जिला प्रभारी दयाराम आर्य, समाज सेवी कुलदीप सोनी, संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता, देवेंद्र कुमार, रामरतन यादव, सोनिया कपूर, पूर्वांशी, ओजस्वी, कपिल कपूर, प्रीति कपूर व पुरुषोत्तम नंदवानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों को स्मृति चिंह भेंट करते आयोजक।

यादव कल्याण सभा के फ्री कैंप में 183 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। कैंप में महिला की आंखों की जांच करती डा. कंचन यादव।

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में मरीजों को ओपीडी सेवाएं देने के साथ फ्री दवाईयां भी प्रदान की गई। कैंप में 183 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। डा. तरुण यादव ने नेफ्रोलॉजी मेडिसन, डा. सिद्धार्थ यादव ने हड्डीरोग, डा. गौरव यादव ने सर्जरी, डा. अजीत सिंह यादव ने चर्मरोग व डा. कंचन यादव ने नेत्ररोग के रोगियों को ओपीडी सेवाएं प्रदान की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव भी फ्री फिजियोथेरेपी सेवाओं के लिए उपलक्षण रहे। कैंप के आयोजन में जसवंत सिंह यादव, डा. यशपाल यादव, शशिभूषण यादव, गोकल राम, प्रो. सतीश यादव व राम सिंह यादव ने सहयोग प्रदान किया।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी को किया गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। विवाहिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। कई बार काउंसलिंग कराने के बाद भी बातचीत सिरे नहीं चढ़ी तो पुलिस ने 21 जून को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। इस मामले में पुलिस ने परखपुर निवासी विजय को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

भारत के पर्व केवल परंपरा नहीं, जीवन को मूल्यों से जोड़ने वाले उत्सव : राजयोगिनी शक्ति

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों को भावविभोर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से संचालित शिवनगर स्थित दिव्य दर्शन भवन में रविवार को रक्षाबंधन का पावन पर्व उल्लास, प्रेम और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सेंटर संचालिका बीके कमलेश ने दिल्ली से मुख्य अतिथि राजयोगिनी शक्ति के साथ की। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि भारत के पर्व केवल परंपरा नहीं, अपितु जीवन को मूल्यों से जोड़ने वाले उत्सव हैं।

उन्होंने कहा कि राखी का यह साधारण-सा दिखने वाला कच्चा धागा भाई-बहन के पवित्र प्रेम, सुरक्षा, विश्वास और शुभकामनाओं का प्रतीक है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है, तो वह उसके सुख, समृद्धि और सुरक्षा की प्रार्थना करती है।

उन्होंने बताया कि ब्रह्माकुमारी संस्था राखी पर्व को आत्मिक संबंधों और ईश्वर से जुड़ाव के रूप में मनाती है, जिसमें आत्मा और परमात्मा के बीच की सुरक्षा और पवित्रता की भावना को केंद्र में रखा जाता है। इस अवसर पर बीके शालू, बीके रेणु, बीके वंदना, बीके डा. नीलम, बीके रेखा, बीके गीता, संजीव, बीके कमल व अशोक सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में भक्ति गीतों, राखी विचारों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों को भावविभोर किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

पेड़-पौधे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में सहायक

रेवाड़ी। महाराणा प्रताप चौक पर पौधे रोपित करते संस्था के सदस्य। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था की ओर से रविवार को बावल रोड स्थित महाराणा प्रताप चौक पर पौधरोपण किया गया। संस्था की ओर से चौक पर गुड़हल, चांदनी, डबल चांदनी, जटरोफा, एक्जोरा और मधुकामिनी के 11 पौधे रोपित किए गए। इस मौके पर रिटायर्ड डीईओ धर्मबीर बल्ड़ोदिया ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। पेड़-पौधे हमें जीवन जीने के लिए कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करके प्राण वायु ऑक्सीजन देते हैं। पेड़-पौधे सुंदरता को बढ़ाने के साथ-साथ वर्षा लाने में सहायक होते हैं। अभिराज सांस्कृतिक संस्था के निदेशक अभिषेक सैनी ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने का दायित्व प्रत्येक व्यक्ति का है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण का संरक्षण करने की अपील की। इस अवसर पर समाजसेवी ईश्वरी प्रसाद, मनोज कौशिक, शालू सैनी, प्रिया, दिव्या व भरत कुमार मौजूद थे।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

श्रद्धांजलि सीआरपीएफ 112 बटालियन के लांस नायक जगदीश प्रसाद 3 अगस्त 1994 को शहीद हो गए थे

अर्ध सैनिक बल के अधिकारियों ने शहीद जगदीश प्रसाद को दी श्रद्धांजलि

पैरामिलिट्री अधिकारियों व अर्ध सैनिकों ने शहीद जगदीश प्रसाद की फोटो पर पुष्प चक्र चढ़ाकर सलामी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली उपमंडल के गांव बव्वा में रविवार को सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर गुरुग्राम से पैरामिलिट्री के अधिकारी पूर्व लांस नायक शहीद जगदीश प्रसाद को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। डिप्टी कमांडेंट मनोज कुमार सत्यार्थी ने बताया कि सीआरपीएफ 112 बटालियन के लांस नायक जगदीश प्रसाद 3 अगस्त 1994 को शहीद हो गए थे। पैरामिलिट्री अधिकारियों व अर्ध सैनिकों ने शहीद जगदीश प्रसाद की फोटो पर पुष्प चक्र चढ़ाकर सलामी दी। गांव सरपंच सुनीता देवी ने भी शदीद को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद परिवार को भविष्य में हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। शहीद की पत्नी रामकला देवी बताया उनके पति वर्ष 1980 में भर्ती हुए थे। चौदह वर्ष बाद वे श्रीनगर में आतंकवादियों की मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। शहीद का पुत्र सियाराम भी सीआरपीएफ में कार्यरत है। शहीद की पत्नी ने बताया कि वे पति की प्रतिमा स्थापित कराने के लिए पिछले 30 वर्ष से हरियाणा सरकार के साथ पत्राचार कर रही है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक जमीन मुहैया नहीं कराई गई है। सीआरपीएफ के अधिकारियों की और से कई पत्र जमीन के लिए जिला उपायुक्त को लिखे जा चुके है। इस मौके पर उपनिरीक्षक महावीर सिंह, पूर्व सरपंच ईश्वर सिंह, जगजीत सिंह, रामनिवास यादव, मनीष, कृष्ण व नरेश यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेवाड़ी। शहीद जगदीश प्रसाद को श्रद्धांजलि देते अर्ध सैनिक बल के अधिकारी व परिजन। फोटो : हरिभूमि